❖ विट्ठलनाथ ने 1565 में अपने चार शिष्य और वल्लभाचार्य के चार शिष्य को मिलाकर 'अष्टछाप' बनाया।

- कुंभनदास
- कृष्णदास
- सूरदास
- परमानंद दास

} गुरु वल्लभाचार्य

- गोविन्द स्वामी
- छीतस्वामी
- चतुर्भुजदास
- नंददास

} गुरु विट्ठलनाथ

- <u>भारतेन्दु मंडल के कवि –</u>

  बद्रीनारयण चौधरी – लालित्य लहरी, वर्षा बिंदु
  प्रताप नारायण मिश्र – प्रेम पुष्पावली
  अम्बिकादल – हो हो होरी
  डॉ. जगमोहन सिंह – मेघदूत और ऋतुसंहार का ब्रजभाषा में अनुवाद

- द्विवेदी युग
  - जागरण सुधार काल – 1900–1918

- श्रीधर पाठक
  - गुणवंत हेमंत (खड़ी बोली की पहली कविता)
  - कश्मीर सुषमा, वनाष्टक, भारत गीत

- महावीर प्रसाद द्विवेदी
  - काव्य मंजूषा, गंगालहरी

- अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
  - प्रिय–प्रवास (खड़ी बोली का पहला महाकाव्य)
  - पारिजात
  - वैदही वनवास
  - प्रेम प्रपंच
  - कल्पलता
  - रस कलश

- **मैथिलीशरण गुप्त** (आधुनिक युग का तुलसीदास)
    - जयद्रथवध
    - गुरूकुल
    - किसान
    - साकेत
    - भारत–भारती
        - 1912 में इसी रचना के बाद गाँधी जी ने 'राष्ट्र–कवि' कहा
    - पंचवटी
    - मेघनाथ वध

- कामता प्रसाद गुरु
  - ↳ हिन्दी वैयाकरण के पाणिनी
- पं. किशोरीदास वाजपेयी – हिन्दी के पाणिनी
- छायावाद

  छायावाद के चतुष्पद कहलाते हैं।

1. जयशंकर प्रसाद – ब्रह्म
2. सुमित्रानंदन पंत – विष्णु
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – महेश
4. महादेवी वर्मा
5. राम कुमार वर्मा
6. भगवतीचरण वर्मा

वृहत्त्रयी (1–4)

लघुत्रयी (4–6)

1. जयंशकर प्रसाद –

- उपनाम – कलाधर
- पहली कविता – सावन पंचक
- उर्वशी (चम्पूकाव्य) गद्य + पद्य
- झरना (छायावाद की पहली रचना, पहली प्रयोगशाला)
- आँसू (हिन्दू का मेघदूत)
- कामायनी (15 सर्ग है)
- लहर

2. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला –

- अनामिका
- तोड़ती पत्थर, (राम की शक्ति पूजा)
- परिमल (संध्या–सुदरी, जूही की कली, बादल राग, भिक्षुक)
- कुकुरमुत्ता
- नये पत्ते
- बेला
- गीतिका

3. सुमित्रानन्दन पंत

- उच्छवास, पल्लव
- ग्राम्या, गुंजन
- युगवाणी, चिदम्बरा
- लोकायतन, कला और बूढा चाँद

4. महादेवी वर्मा – आधुनिक युग की मीरा, हिन्दी के विशाल मंदिर की वीणापाणि

- रश्मि, नीरजा, यामा
- दीपशिखा, नीहार, संध्यागीत

5. माखनलाल चतुर्वेदी – एक भारतीय आत्मा

- हिमतरंगिणी
- हिमकिरिटिनी
- समर्पण

6. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

- कुमकुम, रश्मिरेखा

7. सुभद्रा कुमारी चौहान

- झाँसी की रानी, झंडे की इज्जत में
- स्वदेश के प्रति
- जलियाँवाला बाग

छायावादोत्तर काल

- केदारनाथ अग्रवाल – (वालेन्दु)
  - अपूर्णा, युग की गंगा, नींद के बादल
  - हे मेरी तुम, जो शिलाएँ तोड़ते है।
  - फूल नही रंग बोलते है।

- धर्मवीर भारती
  - ठण्डा लोहा, देशांतर, अंधायुग, कनुप्रिया

- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
  - खूँटियों पर टँगे लोग
  - जंगल का दर्द
  - एक सूनी नाव

- रामधारी सिंह दिनकर :– (डिप्टी राष्ट्रपति कवि)
  - उपनाम – समय सूर्य, अधैर्य, का कवि
  - रेणुका, हुंकार, कुरुक्षेत्र
  - उर्वशी, परशुराम की प्रतिरक्षा
  - रश्मिरथी

- सचिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
  - 4 तारसप्तक – पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा

    1943 1951 1959 1979
  - भग्नदूत, इत्यलम
  - कितनी नावों में कितनी बार, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
  - हरी घास पर क्षण भर, जितना तुम्हारा सच
  - आँगन के पार द्वार

हिन्दी उपन्यास

- हिन्दी का पहला उपन्यास : परीक्षागुरू (लेखक– लाला श्री निवास दास)
- अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"
  - अधखिला फूल
  - ठेठ हिन्दी का ठाठ
- देवकीनन्दन खत्री
  - चन्द्रकांता, अनूठी बेगम
  - भूतनाथ (अधूरा)

- बालकृष्ण भट्ट
    - सौ अजान एक सुजान
- प्रेमचन्द
    - जन्म – 1880, लमही, वाराणसी
    - मृत्यु – 1936
    - मूलनाम – धनपत राय
  - नवाब राय से रचनाएँ शुरू की
  - प्रेमचन्द नाम इनको उर्दू के कवि 'दयानारायण निगम' ने दिया
  - इनको उपन्यास सम्राट – शरतचन्द चटोपाध्याय ने
  - पहला उपन्यास – असरारे–मुआविद (उर्दू)
  - हिन्दी भाषा में पहला उपन्यास – कायाकल्प

प्रमुख उपन्यास

- सेवा सदन
- रंगभूमि
- मंगलसूत्र (अधूरा)
- कर्मभूमि, प्रतिज्ञा, प्रेमाश्रम
- निर्मला
- गबन, गोदान

- जयशंकर प्रसाद
  - कंकाल
  - तितली
  - इरावती (अधूरा)

- निराला
  - कुल्लीभाट
  - बिल्लेसुर बकरिहा
  - अप्सरा, निरूपमा

- जैनेन्द्र
  - परख
  - सुनीता
  - सुखदा, कल्याणी, मुक्तिबोध
- अज्ञेय
  - नदी के द्वीप
- विष्णु प्रभाकर
  - अर्द्धनारीश्वर

- भगवतीचरण वर्मा
  - पतन, चित्रलेखा
  - टेढ़े–मेढे रास्ते
  - भूले–बिसरे चित्र

- अमृतलाल नागर
  - बूँद और समुद्र
  - मानस का हंस
  - अमृत और विष

- हजारी प्रसाद द्विवेदी
  - अनामदास का पोथा
  - पुनर्नवा
  - बाणभट्ट की आत्मकथा
  - चारू चन्द्र लेख
- फणीश्वरनाथ 'रेणु'
  - मैला आँचल
  - कितने चौराहे
- धर्मवीर भारती
  - गुनाहों का देवता
  - सूरज का 7वां घोड़ा, ग्यारह सपनों का देश

- राजेन्द्र यादव
  - उखड़े हुए लोग
  - एक इंच मुस्कान (सहलेखिका : मनू भण्डारी)

- विनोद शुक्ल
  - दीवार में एक खिड़की रहती थी।

- सुरेन्द्र वर्मा
  - मुझे चाँद चाहिए
  - अँधेरे से परे